

ोग चूँकि भर दिया गया इस बास्ते उनको सब याद करते हैं और याद करके रोते हैं। उस रोग के ऊपर उन्होंने अपना ग्रन्थ लिखा। दशरथ को याद किया जाता है तो अपने बाप को याद कर रोते हैं। कभी तुलसीदास की रामायण को याद करके कोई नहीं रोता है। भरत और राम का किस्सा चलता है, सीता और राम का किस्सा चलता है तो भाई और पत्नी को याद करके आदमी रोता है, या आनन्दित होता है। इसलिए वह जो न्यथा वह रातों रात प्रचलित हो गया। कहने का मतलब यह है कि देश का यह सब रोग, मानस स्थिति, पाप, सब चीज आज भी उसी तरह से चल रही है। कांग्रेस पार्टी चली गई जनता पार्टी आई गई यह नई बोलत और पुरानी शराब वाली बात है। शराब को नहीं बदला गया है। जिसके पेट में दर्द है वही जब तक देश का नेता ऊपर आ कर नहीं बैठेगा या उसको नहीं बिठाया जाएगा कभी भी देश में कोई भी क्रान्तिकारी काम नहीं हो सकेगा, यह मेरा दावा है। देश में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं हो सकेगा इस तरह से भ्राम्य बहाने से, इस तरह के भाषण दे देने से और यह कह देने से कि यह सुविधा इनके लिए बढ़ाई जाए, पैसा इनको दिया जाए। आज तक करोड़ों रुपया आपने इन पर खर्च किया है लेकिन कितना हरिजन वेलफेयर आप कर सके हैं, उस कौम के मन में कितना आपने उत्साह भरा है? सब से बड़ी बात यह है कि क्रान्ति का जब कभी विगुल बजेगा तो वह खेतीहर मजदूर, हलवाहा, हरिजन आदि जब यह सोच लेगा, आदिवासी सोच लेगा, पिछड़ा वर्ग सोच लेगा कि जुल्म इस देश की जमीन से निकला है, जुल्म इस देश में इस देश के लोगों ने उस पर किया है, वह भी इंसान है, उसको भी जीने का और इज्जत के साथ जीने का हक है, तब ही इस देश में कोई रेवोल्यूशन या कोई क्रान्ति सफल हो सकेगी। इसके बगैर कितने ही पैसे आप दे दें सब चर जायेंगे, सब जा जायेंगे और यहां आ कर आप

बड़ियाली भ्राम्य बहानों और उसका कोई नतीजा नहीं निकलेगा। यह इसलिए मैं कह रहा हूँ कि तीस साल तक हमारे देश में बोट की राजनीति चली है और इसका जो पाप है वह हम को भुगतना होगा। यदि आपने उनके पेट के दर्द को महसूस नहीं किया उसका उपचार नहीं किया, उनकी मानस स्थिति को ऊंचा नहीं उठाया तो आप याद रखें कि एक एक पाई, एक-एक छदाम आपको चुकाना होगा, देना होगा।

तो मेरा कहना है कि जो रुपया खर्च किया जाता है, सारी चीजें खर्च की जाती हैं, यह सारी चीजें जो हैं वह सब इस देश के बदमाश लोग ले लिया करते हैं। कांग्रेस पार्टी ने 30 वर्ष में क्या किया? उसने हरिजनों और आदिवासियों के बोटों की खरीददारी के चलते इस देश की हरिजन कौम को एक बीचड़ बनाया और कई तरह के कमल उगाये हर प्रदेश में, और तमाम हरिजनों की कीचड़ पर 30 वर्ष तक इस देश की राजनीति चलायी है। माननीय जगजीवन राम के नाम पर कांग्रेस वालों ने सरकार चलायी। आपने 30 वर्ष तक उनके नाम पर हरिजनों को घोखा दिया है। यह जो रिपोर्ट आयी है इस रिपोर्ट के चलते . . .

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय यादव जी, अब आप सोमवार को बोलियेगा।

We have now to start the non-official business.

Mr. Nirmal Chandra Jain.

15.30 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

FOURTH REPORT

SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN (Seoni): Sir, I beg to move:

"That this House do agree with the Fourth Report of the Commit-

[Shri Nirmal Chandra Jain]  
tee on Private Members' Bills and  
Resolutions presented to the House  
on the 27th July, 1977."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The  
question is:

"That this House do agree with  
the Fourth Report of the Commit-  
tee on Private Members' Bills and  
Resolutions presented to the House  
on the 27th July, 1977."

*The motion was adopted.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Before  
we take up the Lokpal Bill of Mr.  
P. K. Deo, there are some bills to be  
introduced. Now Mr. Chandrappan.

15.30½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT)  
BILL\*

*(Amendment of article 324)*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Can-  
nanore): I beg to move for leave to  
introduce a Bill further to amend the  
Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The  
question is:

"That leave be granted to intro-  
duce a Bill further to amend the  
Constitution of India."

*The motion was adopted.*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I  
introduce the Bill.

15.31 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT)  
BILL\*

*(Amendment of article 16)*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Can-  
nanore): I beg to move for leave to  
introduce a Bill further to amend the  
Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The  
question is:

"That leave be granted to intro-  
duce a Bill further to amend the  
Constitution of India."

*The motion was adopted.*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I  
introduce the Bill.

15.31½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT)  
BILL\*

*(Amendment of article 326)*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Can-  
nanore): I beg to move for leave to  
introduce a Bill further to amend the  
Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The  
question is:

"That leave be granted to intro-  
duce a Bill further to amend the  
Constitution of India."

*The motion was adopted.*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I  
introduce the Bill.

15.32 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT)  
BILL\*

*(Amendment of articles 81 and 82)*

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Can-  
nanore): I beg to move for leave to  
introduce a Bill further to amend the  
Constitution of India.